

खरदी खन

गार ता - २४१

पावती क्र.

SDR 23002
8/12/24

नोंदणी ३९ म.
Regn 39 m.

दस्तावेजाचा/अर्जाचा अनुक्रमांक १०२३/२६

दिनांक २२/१२/२६ सन १९

दस्तावेजाचा प्रकार - विवाहपत्र दि. ०६/१२/२०१७

सादर करणाराचे नाव - सुरेश शिवा

खालीलप्रमाणे फी मिळाली:-

नोंदणी फी

नक्कल फी (फोटो १५)

पृष्ठोक्त्याची नक्कल फी

टपालखर्च

नकला किंवा हापने (कलम ६४ ते ६७)

गोध किंवा निरीक्षण

देढ-कलम २५ अन्वये

कलम ३४ अन्वये

प्रमाणित नकला (कलम ५७) (फोटो)

इतर फी (मागील पानावरील) गाव क्र.

" " " "

" " " "

" " " "

" " " "

दस्तावेज

नक्कल

रोमी तयार होईल व

नोंदणीकृत डाकेने पाठवली जाईल

या कार्यालयात देण्यात येईल

दुय्यम निबंधक

दस्तावेज खाली नाव दिलेल्या व्यक्तीच्या

नावे नोंदणीकृत डाकेने पाठवावा

हवाली करावा.

सादरकर्ता

र.	प.
६००-	
७५-	
१२-	
०१-	
०२-	
१५-	
७७५=७०	



2980

9000

17 31188

सत्यमेव जयते (4, 6, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 38, 40, 42, 44, 46, 48, 50, 52, 54, 56, 58, 60, 62, 64, 66, 68, 70, 72, 74, 76, 78, 80, 82, 84, 86, 88, 90, 92, 94, 96, 98, 100)

सत्यमेव जयते (4, 6, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 38, 40, 42, 44, 46, 48, 50, 52, 54, 56, 58, 60, 62, 64, 66, 68, 70, 72, 74, 76, 78, 80, 82, 84, 86, 88, 90, 92, 94, 96, 98, 100)

सत्यमेव जयते (4, 6, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 38, 40, 42, 44, 46, 48, 50, 52, 54, 56, 58, 60, 62, 64, 66, 68, 70, 72, 74, 76, 78, 80, 82, 84, 86, 88, 90, 92, 94, 96, 98, 100)

अनुक्रमांक - १६६६

सन १९९६ च्या इ.स.वि.

२९ दिनांकास २००६ २३०

दुय्यम दुय्यम निबंधक इगतपुरी यांचे कार्यालयात आणून दिला.

सत्यमेव जयते (4, 6, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26, 28, 30, 32, 34, 36, 38, 40, 42, 44, 46, 48, 50, 52, 54, 56, 58, 60, 62, 64, 66, 68, 70, 72, 74, 76, 78, 80, 82, 84, 86, 88, 90, 92, 94, 96, 98, 100)

दुय्यम निबंधक, इगतपुरी

श्री धतला ती:

लेखणी को:-

लकल को (कोरिफेस) :-

दरे को:-

लकल को:-

लकल को:-

लकल को:-

लकल को:-

दुय्यम निबंधक, इगतपुरी

"श्री"

* फरोक्त खरेदीवत *

फरोक्त खरेदीवत आज दिनांक ३ माहे जानेवारी १९९६

दसवी ते दिवशी नातिल मुफकामी:-

इ ग त

१६६/१/१५

१९९६

[२]..

1000Rs.



१. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.



..[२]..

मे. ज्योती स्ट्रक्चर्स लि.,
इंडियन कंपनीज अक्टाव्हे
नॉटिफिकेशन कंपनी यधि रजि.
ऑफिस मुंबई येथे अतुन
शाखा प्लॉटनंबर ४२/५३
एम. आय. डी. सी., सातपुर
नामिक-४२२ ००७

- यांसी -

विटु धर्मा तोकडे [मयत] वारत-

१] प्पावंत विटु तोकडे, उ. व. -६०

२] लक्ष्मण विटु तोकडे, उ. व. -५५

लिहून देणार.

[३]..

500RS.

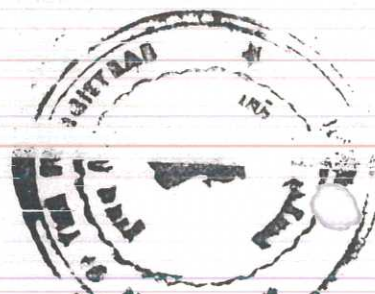
[illegible]

..[३]..	३] रामजी चिठु तोकडे, उ. न. - ३५ ४] गजावाई किशन घोटकर, उ. न. - ६५ ५] कसादावाई तात्याबाभगत, उ. न. - ४५ ६] नं. १ ते २ राहपार-देवळे, ता. इगतपुरी, जि. नासिक. नं. ४ राहपार-मुंदेगांव, ता. इगतपुरी, जि. नासिक. नं. ५ राहपार- सं. कलायपुरी ता. इगतपुरी, जिल्हा नासिक.	१११६	१६६ / १५	१११६	१११६
----------------	--	-------------	-----------------	-------------	-------------



नं. २९४८ " ८/३० २००१
 २६५०८ २००१
 २००१ मं. २६५०८ (२६५०८)
 २६५०८ २६५०८
 २६५०८ २६५०८
 २६५०८ २६५०८

२६५०८



..[४]..

कारणे फलोकत खरेदीखत लिडून देतात
 ऐसा जे की.,

[१] मिळकतीये वर्णन *

तुकडी जिल्हा नासिक, पोस्ट तुकडी
 तालुका इगतपुरी पैकी मोजे गांव उभाडे या गांवये
 शिवारातील मिळकत यांसी गटनंबर २४१ यांसी क्षेत्र
 हेक्टर ००.५३ आर, यांसी गांकार स्मय ००.४१ पेसे
 यांसी वतु: निमा खालीलप्रमाणे:-

अनं

50RS

Feb. 29 80 M. C. 1921 Rev

Feb 29 1974

(H) 2023 (C) 75 68 107 37

71111
 71202
 71203
 71204
 71205
 71206
 71207
 71208
 71209
 71210
 71211
 71212
 71213
 71214
 71215
 71216
 71217
 71218
 71219
 71220
 71221
 71222
 71223
 71224
 71225
 71226
 71227
 71228
 71229
 71230
 71231
 71232
 71233
 71234
 71235
 71236
 71237
 71238
 71239
 71240
 71241
 71242
 71243
 71244
 71245
 71246
 71247
 71248
 71249
 71250
 71251
 71252
 71253
 71254
 71255
 71256
 71257
 71258
 71259
 71260
 71261
 71262
 71263
 71264
 71265
 71266
 71267
 71268
 71269
 71270
 71271
 71272
 71273
 71274
 71275
 71276
 71277
 71278
 71279
 71280
 71281
 71282
 71283
 71284
 71285
 71286
 71287
 71288
 71289
 71290
 71291
 71292
 71293
 71294
 71295
 71296
 71297
 71298
 71299
 71300
 71301
 71302
 71303
 71304
 71305
 71306
 71307
 71308
 71309
 71310
 71311
 71312
 71313
 71314
 71315
 71316
 71317
 71318
 71319
 71320
 71321
 71322
 71323
 71324
 71325
 71326
 71327
 71328
 71329
 71330
 71331
 71332
 71333
 71334
 71335
 71336
 71337
 71338
 71339
 71340
 71341
 71342
 71343
 71344
 71345
 71346
 71347
 71348
 71349
 71350
 71351
 71352
 71353
 71354
 71355
 71356
 71357
 71358
 71359
 71360
 71361
 71362
 71363
 71364
 71365
 71366
 71367
 71368
 71369
 71370
 71371
 71372
 71373
 71374
 71375
 71376
 71377
 71378
 71379
 71380
 71381
 71382
 71383
 71384
 71385
 71386
 71387
 71388
 71389
 71390
 71391
 71392
 71393
 71394
 71395
 71396
 71397
 71398
 71399
 71400
 71401
 71402
 71403
 71404
 71405
 71406
 71407
 71408
 71409
 71410
 71411
 71412
 71413
 71414
 71415
 71416
 71417
 71418
 71419
 71420
 71421
 71422
 71423
 71424
 71425
 71426
 71427
 71428
 71429
 71430
 71431
 71432
 71433
 71434
 71435
 71436
 71437
 71438
 71439
 71440
 71441
 71442
 71443
 71444
 71445
 71446
 71447
 71448
 71449
 71450
 71451
 71452
 71453
 71454
 71455
 71456
 71457
 71458
 71459
 71460
 71461
 71462
 71463
 71464
 71465
 71466
 71467
 71468
 71469
 71470
 71471
 71472
 71473
 71474
 71475
 71476
 71477
 71478
 71479
 71480
 71481
 71482
 71483
 71484
 71485
 71486
 71487
 71488
 71489
 71490
 71491
 71492
 71493
 71494
 71495
 71496
 71497
 71498
 71499
 71500
 71501
 71502
 71503
 71504
 71505
 71506
 71507
 71508
 71509
 71510
 71511
 71512
 71513
 71514
 71515
 71516
 71517
 71518
 71519
 71520
 71521
 71522
 71523
 71524
 71525
 71526
 71527
 71528
 71529
 71530
 71531
 71532
 71533
 71534
 71535
 71536
 71537
 71538
 71539
 71540
 71541
 71542
 71543
 71544
 71545
 71546
 71547
 71548
 71549
 71550
 71551
 71552
 71553
 71554
 71555
 71556
 71557
 71558
 71559
 71560
 71561
 71562
 71563
 71564
 71565
 71566
 71567
 71568
 71569
 71570
 71571
 71572
 71573
 71574
 71575
 71576
 71577
 71578
 71579
 71580
 71581
 71582
 71583
 71584
 71585
 71586
 71587
 71588
 71589
 71590
 71591
 71592
 71593
 71594
 71595
 71596
 71597
 71598
 71599
 71600
 71601
 71602
 71603
 71604
 71605
 71606
 71607
 71608
 71609
 7

15-12-1951

1

卷之四

• [୨] •

π
 $\frac{5}{2}$
 $h\nu$

५३५

:- गटनंबर २४०

प. दि. गो. स.

:- गटनंबर २४२

दधिपेस :- दधला गंव्या शिव.

1

उत्तर

:- गटनंवर २४३

धेपेप्रमाणे यतः सिंगील जल, तरु, काष्ट,

पाषाण, निधी-निक्षेपासह व जाण्या-येण्याच्या वाग

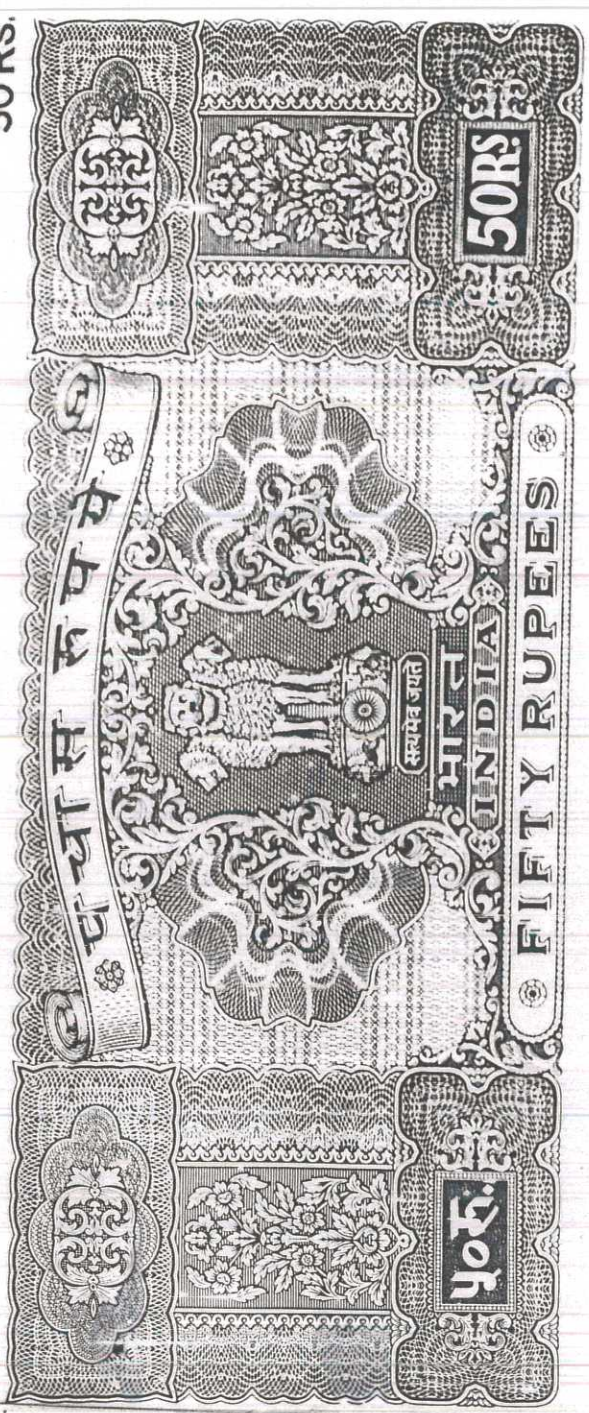
वट्टिवाटीय्या इककंसिह दरोबस्त अशी आम्हांस प्राप्त

असलेल्या वागवट्टिवाटीच्या हक्कां सहवी दरोबरत मिळकत.

[२] उपरोक्त काल १ यांत वर्ण कोली मिळकत

[3].

50RS.



नामिक अ. र. ६७३५ दि. २७/३/८५ राये ५४/-
 घेणाऱ्याचे ना. प्रसिद्ध मॅनेजर (कॅशियर) श्री. मु. हरदास
 हस्ते प्रसिद्ध रकम

महोदय

श्री. मु. हरदास
 स्टम्प मॅनेजर

..[६]..

इ ग त

१९९

ही आमची वडिलोपार्जित

मालकीची अनु आमचे प्रत्यक्ष

कच्चावड्यादीत व उपभोगात

मालकी हक्काने आहे. तद्वर मिळतीची आम्हांस

पाडिजे तशी तक्तेवाट लावण्याचा आम्हांस हक्क

व अधिकार असल्याने त्या हक्क व अधिकाराला

अधिन राहून तदर्थ मिळतीचे कायम करीत

बरेदीसुत तुमचा भात आज रोजी लिहून, नोंदवून

देत आहोत.

[३]

उपरोक्त कल १ मध्ये दर्शन केलेल्या

मिळ तीचा व्यवहार लिहून देणार यांनी श्रीपुत

चंद्रसेन शंकरराव रोक्डे यांचे लाभांत यापूर्वी कसून दिलेला होता व त्यासाठी वित्तार पावती त्याचि लाभांत दिली झालेले होती श्री. चंद्रसेन शंकरराव रोक्डे यांनी सदर व्यवहाराची त्यांची वित्तार पावती रद्द करून त्यांनी व्यवहार रद्द केला आहे. व सदरचे व्यवहारात त्यांनी पूर्ण संमती दिलेली आहे. त्यांना वित्तारा पोटी रक्कम रुपये ६०००/- इतकी लिहून देणार यांना अदा केलेली होती ती रक्कम लिहून देणार याचि वतीने लिहून देणार यांनी आज रोजी अदा केली आहे. सदर व्यवहारास त्यांची पूर्ण संमती आहे.

[४] उपरोक्त कलम १ यांत वर्णन केलेल्या मिळकतीची किंमत ही तुमचे व आमचे दरम्यान रक्कम ६६,२५०/- [सुमारे सहासष्ट हजार दोनशे पन्नास मात्र] इतकी ठरलेली असून सदरची किंमत ही आजचे बाजार भावाप्रमाणे योग्य व बरोबर असून त्याबाबत काही एक तक्रार नाही.

उपरोक्त मिळकतीचे किंमतीचा भरणा हा आम्हांला ह्या घरेदीखताच्या अखेरच्या कलमांत दर्शविल्या प्रमाणे मिळालेला आहे भरण्याबाबत काही एक तक्रार नाही.

[५] उपरोक्त कलम १ यांत वर्णन केलेल्या मिळकतीचा प्रत्यक्ष कब्जा आज रोजी प्रत्यक्ष जागेवर

[८]५०

..[८]..

इ ग त

१९९

जावुन इदीच्या गुणा व निशाण्या दर्शवुन
मोजुन मापुन दिला अशुन तो कब्जा तुम्हा
त्विकारला अशुन कब्जाबाबत काही एक
तक्रार नाही आता उपरोक्त मिळकतीये
तुमचे कब्जाबाबत काहीएक तक्रार नाही.
आता उपरोक्त मिळकतीये तुमचे कब्जास कोपीही कोपत्याही
प्रकारची हिल्ला हरकत केल्यास त्याच आम्ही निवारण करून
देवु त्याची तो शिष्य तुम्हांस लागु देणार नाही.

[६] लिहून घेणार ही कंपनी असल्याने सदर
मिळकतीचा वापर औद्योगिक कारणासाठी करणार आहांत.
त्यामुळे सदर व्यवहाराकामी/खरेदीयुताकामी कोपत्याही
परवानगीची आवश्यकता अगर मिळकत विनोती करण्याची
गरज नाही असा संदर्भ महाराष्ट्र शातनाये राजपत्र दिनांक
२ फेब्रुवारी १९९४ मध्ये नमुद केलेले आहे.

[७] उपरोक्त मिळकत आम्ही तुम्हांस कायम
फरोक्त खरेदी दिली आहे आता सदर मिळकतीशी आमचा
काही एक संबंध अगर हितसंबंध राहिलेला नाही. सदर
मिळकतीये तुम्हीच पूर्णपणे मालक झालेले आहांत. सदर
मिळकतीचा आता तुम्ही वंशपरांपरागत लेकराये लेकरी
मनमानेल तता उपभोग घ्यावा अगर तुम्हांस पाहिजे तशी
विलेवाट लावावी त्यास कोपीही कोपत्याही प्रकारची
हिल्ला हरकत केल्यास त्याचे निवारण आम्ही आमचे पदर
खर्च करून देवु त्याची तो शिष्य तुम्हांस लागु देणार नाही.

[९]..

[८] उपरोक्त मिळकतीवर आजपावेतो

कोपण्याही प्रकारे गहाप, दान, तिन, लिज,

अन्नवस्त्र, मृत्युपत्र, जामिनकी, अगर अन्य

कोपत्याही प्रकारचा कोर्टवाद, हद्दीयावाद,

इजमेंट अशी कोपत्याही प्रकारच्या

जडजोखीत गुंन विलेली नाही अगर वा सदरची मिळकत ही

सरकारी वा निमसरकारी कार्यालयाने अक्कार अगर

रिदवाँयर केलेली नाही अगर त्याचावत आजतागायत

कोपत्याही प्रकारची नोटीस आलेली नाही.

[९] उपरोक्त मिळकतीचावत व विद्दी संबंधी यापूर्वी

आम्ही श्री. चंद्रसेन शंकरराव रोकडे यांचे व्यक्तिरित्त अन्य

कोपाबरोबर ही लेखी अगर तोडी करार केलेला नाही

त्यामुळे सदर मिळकतीचे श्री. चंद्रसेन शंकरराव रोकडे यांनी

व्यवहार रद्द केलेला आहे त्यामुळे सदर मिळकतीची विद्दी

करण्याचा पूर्ण हक्क व अधिकार आम्हांस आहे. व त्या

हक्क व अधिकारातय सदरचे घरेदीउत तुम्हांस आज रोजी

लिहून, नोंदवून देत आहोत.

[१०] उपरोक्त मिळकती संबंधान कोपत्याही व

कुठल्याही प्रकारचा कोर्ट वाद चालू नाही अगर पेंडींग नाही.

[११] उपरोक्त मिळकतीवर आम्ही कुठल्याही प्रकारचे

बँकेचे सोसायटीचे अथवा अन्य राजगी प्रकारचे कर्ज काढलेले

नाही वा कुठल्याही प्रकारच्या कर्जासाठी उपरोक्त मिळकत

तारप दण्याचे गहाप दण्याचे कबूल केलेले नाही.



[१२] उपरोक्त मिळकती मध्ये कुळ नव्हता व नाही त्यामुळे मुंबई कुळ कायद्याचे कुळही निर्बंध मिळकतीला लागू नाही.

[१३] उपरोक्त मिळकत ही आदिवासीची नव्हती व नाही अथवा त्या संदर्भामध्ये त्या कायद्यानुसार कुळ्याही प्रकारचे प्रोसिडिंग कुळ्याही कोर्टात चालू नाही.

[१४] उपरोक्त मिळकत ही इनामी नव्हती व नाही कुळ्याही प्रकारची परवानगी घेण्याचे कारण नाही कारण कायदा रद्द झाल्या बाबतच्या इनामती कुळ्याही प्रकारची तरतुदी मिळकती संदर्भात लागू नाही.

[१५] उपरोक्त मिळकत लाभ क्षेत्रात घेत नाही अथवा रिसेटलमेंट कायद्याच्या तरतुदी मिळकतीस लागू नाहीत त्याबाबतचा दाखला आम्ही तुमचे भोगवट्यास दिला आहे.

[१६] उपरोक्त मिळकतीबाबत आम्ही असे जाहीर करू छात्रांनी सांगून भरव्याने लिहून देतो की, मिळकत ही पूर्णपणे निर्वध व बिनबोजाची आहे. या शब्दावर विसंबून तुम्ही मिळकत आमयेपासून खरेदी घेतलेली आहे. तथापि मिळकत आमयेपासून खरेदी घेतल्याने तदर मिळकतीबाबत मालकी हक्काबाबत काही वाद निर्माण झाल्यास त्याचे निवारण आम्ही

..[११]..

१११

आमचे पदरखर्चा ने कसून देवु तसेच आमचे
मालकी हक्काबाबत कोपीही हक्क वा

अधिकार सांगितल्यास त्याचे निवारण
आम्ही आमचे पदरखर्चाने कसून देवु.

[१७] तुम्ही सदरची मिळकत वाजवी पणे व
खरेपणे बोनाफाईड इंडस्ट्रिज दारणासाठी खरेदी घेत आहात
त्यामुळे मुंबई कुळ कायदा कलम ६३ प्रमाणे परवानगी घेण्या
ची गरज नाही कारण त्याकरीता महाराष्ट्र शासनाने
आदेश काढलेले आहेत.

[१८] सदरची मिळकत ही तुम्हांस या खरेदीखताने
कायमची फरोक्त खरेदी दिलेली आहे ती उलट खरेदी देण्या
ची लेखी अगर तोंडी बोली वा करार नाही. खरेदीखता
नंतर तुम्ही मिळकतीला तुमचे नांव लावून घ्यावं त्यासाठी
आम्ही सहकार्य करू.

[१९] वर नमुद केलेल्या मिळकतीचा आजपावेतोचा शेतसारा
कर, टॅक्सेस, आम्ही भरलेले असून येथून पुढील शेतसारा, कर,
टॅक्सेस तुम्ही मालक या नात्याने भरीत जावे.

[२०] सदर मिळकतीचे मुळ खरेदीखत मे. दुय्यम निबंधक
साहेब इगतपुरी जिल्हा नासिक पाच्छाकडे नोंदविलेले असून
त्याची नक्कल व इतर कागदपत्र तुमचे ताब्यात दिले आहेत.

[२१] उपरोक्त मिळकतीचे खरेदीखताचा सर्वस्वी तो सर्व
म्हणजेच स्टॅम्पड्युटी, लिडिपावळ, नोंदपावळ, वकील फी,
टायपिंग फी इत्यादी सर्वस्वी तो सर्व तुम्ही केलेला आहे.

[११]..



इ ग त
/ १११

..[१२]..

[२१] भरण्याचा तपशील
=====

रक्कम स्मये

तपशील

१५०८३.३३

आमचे पैकी नं.१ श्री.
यशवंत विठु तोकडे यांना
स्टेटबँक ऑफ इंडिया, सातपुर
शाखा, नासिक शाखेवरील चेक नंबर ३७८४०७
दिनांक २९/१/९६, अन्वये मिळाला.

१८०८३.३३

आमचे पैकी नं.२ श्री. लक्ष्मण विठु तोकडे
यांना स्टेट बँक ऑफ इंडिया, सातपुर ३७८४०२
शाखा, नासिक शाखेवरील चेक नं.
दिनांक २९/१/९६ अन्वये मिळाला.

१५०८३.३४

आमचे पैकी नं.३ श्री रामजी विठु तोकडे
यांना स्टेट बँक ऑफ इंडिया, सातपुर
शाखा, नासिक शाखेवरील चेक नं. ३७८४०३
दिनांक २९/१/९६ अन्वये मिळाला.

६०००.००

आमचे पैकी नं.४ गंभाबाई किशन घोटकर
यांना स्टेट बँक ऑफ इंडिया, सातपुर
शाखा, नासिक शाखेवरील चेक नं. ३७८४०४
दिनांक २९/१/९६ अन्वये मिळाला.

६०००.००

आमचे पैकी नं.५ यशोदाबाई तात्याबा भात
यांना स्टेट बँक ऑफ इंडिया, सातपुर
शाखा, नासिक शाखेवरील चेक नं. ३७८४०५
दिनांक २९/१/९६ अन्वये मिळाला.

६०००.००

श्रीयुत चंद्रसेन शंकरराव रोकडे यांना
स्टेट बँक ऑफ इंडिया, सातपुर शाखेवरील
चेक नंबर ३७८४०६ दिनांक २९/१/९६
अन्वये मिळाला.

६६,२५०/-
=====

..[१३]..

धृ ग स

येणेप्रमाणे भरणा पावला असून
भरण्याबाबत काही एक तक्रार नाही.

१११

[२२] उपरोक्त मिळकतीचा व्यवहार
हा आमचेवर तसेच आमचे पश्चात आमचे
वालीवारसांवर बंधनकारक आहे व राहिल.

[२३] प्रस्तुत खरेदीखतासोबत वालीलप्रमाणे कागदपत्र
तुमचे भोगवट्यास दिलेले आहेत.

१] ७/१२वा उतारा.

२] नोंदीचे उतारे.

३] मोजणीचा नकाशा.

४] टायटल सर्टिफिकेट.

[२४] वर नमुद केलेल्या मिळकतीचा आजपावेतोचा
शेतसारा, कर, टॅक्सेस आम्ही भरलेले असून येथून पुढील
शेतसारा, कर, टॅक्सेस तुम्हीच भरीत जावे.

[२५] उपरोक्त मिळकतीचे तुम्ही आता मालक
झालेले असल्याने तुमचे नांव रेकॉर्ड ऑफ राईटसला
लागण्याकामी आम्ही तुम्हांस वेळोवेळी सहकार्य करू.

येणेप्रमाणे सर्व अटी व शर्तीना पात्र राहून सदरचे
खरेदीखत आज रोजी राजीखुशीने व स्वसंतोशाने कोपाचेही
धाक दडपपास बळी न पडता मुक्त संमतीने लिहून दिले अस

हे फरोक्त खरेदीखत

* लिहून देणार *

ता. मजकूर :-

श्री. विठ्ठ धर्मा तोकडे यांचे वारस

१[श्री. यमवंत विठ्ठ तोकडे.

[१४]..

..[१४]..	क	त
		१३३

७] लक्ष्मण विठु तोकडे

३] श्री. रामजी विठु तोकडे.

४] गणाबाई कित्तन घोटकर.

५] यमोदाबाई तात्याबा भगत.

* ताक्षीदार *
=====

टवीलु अमर

१.-----

२.-----

(Signature)

एन्. एम्. व्यवहारे, टंकलेश्वर
३०२/१, जिल्हा न्यायालय,
नासिक-४२२ ००२.



१) ज्ञानवर्धन विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 २) लोकोकेट विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ३) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ४) वाजावाहि विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ५) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ६) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ७) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ८) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 ९) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु
 १०) राभर्ज विद्युत लोकोकेट वगैरे वस्तु

रस्ताएवज करन देणार
 नयाकथित
 रस्ताएवज करन दित्याचे कबूल
 करतात. वी.क. १९९३. १९९३. १९९३.



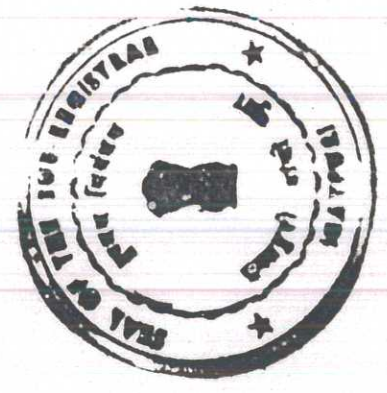
पुस्तक क्रमांक १
 क्रमांक १९९३ वर नोंदला
 दिनांक १९९३ माहे १९९३
 इत्यस निबंधक, इगवपुरी

अशाप्रमाणे संपूर्ण अशा
 वस्तु-१९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३
 १९९३, १९९३

दिनांक १९९३ माहे १९९३

१९९३

इत्यस निबंधक, इगवपुरी



इ ग त
 १९९३